RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 187
दि. 08.11.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

वंदे मातरम के 150 साल होने पर बोले पीएम मोदी, 'मां भारती की साधना का स्वर'

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर एक साल चलने वाले कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पीएम ने इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया है। यह कार्यक्रम 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक चलेगा। बंकिमचंद्र चटर्जी के लिखे राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरा होने पर देश भर में इसके लिए उत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि यह गीत भारतीयों की आत्मा का आवाज है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा कि मां भारती की अराधना का राष्ट्रीय स्वर यह गीत है। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम सिर्फ एक शब्द नहीं है करोड़ों भारतीयों के लिए यह एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है।

वंदे मातरम, ये शब्द मां भारती की साधना है, मां भारती की आराधना है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर कहा कि वंदे मातरम का जब भी हम उल्लेख करते हैं, तो ये शब्द हमें इतिहास में ले जाता है। उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता संग्राम से लेकर हमारे वर्तमान को नए आत्मविश्वास से भर देता है। यह हर भारती के भविष्य को नया हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि न हो सके। ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा न सकें।'

पीएम ने विभाजन की पीड़ा का जिक्र करते हुए कहा, '1937 में वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण पदों, उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। 'वंदे मातरम' को तोड़ दिया गया था। इस विभाजन ने देश के विभाजन के भी बीज बो दिए थे। राष्ट्र-निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ, यह आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है। विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।'

पीएम ने कहा कि राष्ट्र को एक जियोपॉलिटिकल एंटिटी मानने वालों के लिए राष्ट्र को मां मानने वाला विचार हैरानी भरा हो सकता है। भारत अलग है, भारत में मां जननी भी है और पालनहारिणी भी है। और अगर संतान पर संकट आ जाए तो मां संहार कारिणी भी है।

भारत की आजादी का अमर मंत्र बन गया था वन्दे मातरमः सीएम योगी

(एजेंसी)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आजादी के आंदोलन का मंत्र बने वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने इस दिवस को स्मृति दिवस के रूप में आयोजित करने के लिए देशवासियों को नई प्रेरणा दी। सीएम ने कहा कि वन्दे मातरम भारत की आजादी का अमर मंत्र बन गया था। उस दौरान विदेशी हुकूमत के द्वारा दी जाने वाली अनेक यातनाओं, प्रताड़नाओं की परवाह किए बिना भारत का हर नागरिक (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, क्रांतिकारी) वन्दे मातरम गीत के साथ गांव, नगर, प्रभातफेरी के माध्यम से भारत की सामूहिक चेतना के जागरण के अभियान से जुड़ चुका था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। इस दौरान राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन हुआ और स्वदेशी का संकल्प भी लिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। लोकभवन में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा।

सीएम योगी ने 100 वर्ष पूर्व देश के अंदर आई महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भारत की आबादी कुल 30 करोड़ थी और इस महामारी से मरने वालों की संख्या भी करोड़ों में थी। गांव के गांव साफ हो गए थे। स्वतंत्र भारत में कोविड जैसी महामारी का संक्रमण भी दुनिया ने झेला है। इस महामारी के दौरान शासन-प्रशासन हो या अल्पवेतन भोगी, जान की परवाह किए बिना सभी के मन में एक ही भाव था कि इसे नियंत्रित करना है और इसके समाधान का रास्ता निकालना है। सीएम योगी ने कहा कि भारत और भारतीयता, नागरिकों के बारे में संवेदनशील तरीके से वह नेतृत्व ही सोच सकता है, जो उस भावना से ओतप्रोत हो।

पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे काशी, शनिवार को 'बनारस-खजुराहो वंदे भारत' सहित 4 ट्रेनों का करेंगे उद्घाटन

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचे। शाम करीब पांच बजे प्रधानमंत्री का विशेष विमान लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, बाबतपुर पर उतरा, जहां प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, विधायक डॉ अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, विधायक टी राम, कमिश्नर एस. राजलिंगम, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित अन्य लोगों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

जबकि बरेका पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया।

काशीवासियों में उत्साह, मार्ग पर उमड़ा जनसैलाब

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग द्वारा बीएलडब्ल्यू स्थित गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुए। उनका काफि ला बाबतपुर से हरहुआ होते हुए गि लट बाजार, जेपी मेहता, फुलवरिया फ्लाईओवर होते हुए बरेका पहुंचा। रास्‍ ते में कई जगह पर स्थानीय लोगों सहित पार्टी कार्यकताओं और पदाधि कारि यों ने उनका स्‍ वागत कि या। स्‍ वागत से अभि भूत पीएम नरेन्‍ द्र मोदी ने भी वाहन से हाथ हि लाकर लोगों का अभि वादन कि या। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में काशीवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने अपने सांसद का स्वागत 'मोदी-मोदी' और 'हर हर महादेव' के नारों से किया। जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पुष्पवर्षा और भारत माता के जयघोष से पूरा मार्ग देशभक्ति के रंग में रंग गया। एयरपोर्ट से बरेका जाते समय प्रधानमंत्री के काफिले पर जगह-जगह फूलों की वर्षा की गई। पूरा मार्ग केसरिया और तिरंगे रंगों की रोशनी से जगमगा उठा।

मुख्यमंत्री ने किया बरेका गेस्ट हाउस पर स्वागत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शहर के संत अतुलानंद बाईपास, जेपी मेहता के पास, बरेका एफसीआई गोदाम, बरेका गेट के पास आदि अनेकों स्थानों पर स्वागत किया गया। जबकि बरेका पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत किया।

देश को 4 नई वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात देंगे प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी 8 नवंबर को वाराणसी से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। इनमें सबसे प्रमुख ट्रेन वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस होगी, जो काशीवासियों और पूर्वांचल के लिए एक बड़ा उपहार मानी जा रही है। प्रधानमंत्री इन ट्रेनों को बनारस (पूर्व मंडुवाडीह) रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से अन्य तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें लखनऊ से सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, फिरोजपुर से दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, एनार्कुलम से बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, प्रधानमंत्री इस अवसर पर बनारस स्टेशन पर मौजूद गणमान्य लोगों से संवाद भी कर सकते हैं।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगी नई रफ्तार

बनारसझ्रखजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को एक नया आयाम मिलेगा। यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और खजुराहो जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को आपस में जोड़ेगी। नई वंदे भारत एक्सप्रेस वर्तमान में चल रही विशेष ट्रेनों की तुलना में करीब 2 घंटे 40 मिनट का समय बचाएगी। इससे यात्रियों को तेज, आरामदायक और आधुनिक यात्रा का अनुभव मिलेगा। साथ ही यह ट्रेन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो तक श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुगम पहुँच प्रदान करेगी, जिससे पर्यटन उद्योग को नया आयाम और आर्थिक गति मिलेगी।

'तस्करी, गुप्त नेटवर्क पाकिस्तान की आदत', परमाणु को लेकर ट्रंप के दावे पर भारत का करारा जवाब

(एजेंसी)।

अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के गुप्त परमाणु परीक्षणों को लेकर किए गए सनसनीखेज दावे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि रूस, चीन और उत्तर कोरिया के साथ पाकिस्तान भी चोरी-छिपे परमाणु परीक्षण कर रहा है। उनके इस बयान पर भारत ने तुरंत अपनी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय (टएअ) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान का इतिहास हमेशा से गैरकानूनी और छिपी हुई परमाणु गतिविधियों से भरा रहा है, और भारत इस बारे में दुनिया को लगातार आगाह करता आया है। ट्रंप के इस दावे ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, और भारत ने इसे 'नोट' किया है।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे के बाद, भारत ने पाकिस्तान के परमाणु इतिहास पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की दशकों पुरानी परमाणु गतिविधियां, जैसे कि तस्करी, एक्सपोर्ट कंट्रोल का उल्लंघन, गुप्त सहयोग और कुख्यात एक्यू खान नेटवर्क का परमाणु प्रसार रिकॉर्ड रहा है। भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान की इन्हीं गैरकानूनी कार्रवाइयों की ओर खींचा है। इस संदर्भ में, भारत ने ट्रंप के बयान को गंभीरता से लिया है, जो पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम की संदिग्ध प्रकृति को फिर से उजागर करता है। भारत का यह बयान पाकिस्तान की परमाणु जवाबदेही पर दबाव बढ़ाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 नवंबर को उइर के कार्यक्रम "60 ट्रल्ल४३ी२" में एक सनसनीखेज दावा किया। उन्होंने कहा कि रूस, चीन और पाकिस्तान जैसे देश गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, जबकि अमेरिका इस क्षेत्र में पिछड़ रहा है। हालांकि ट्रंप ने अपने दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया, लेकिन उनके बयान के बाद सोशल मीडिया पर अटकलें तेज हो गईं। चर्चा शुरू हो गई कि पाकिस्तान ने अप्रैल-मई 2025 के दौरान गुप्त परीक्षण किया होगा, जब अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर लगातार कई मध्यम तीव्रता के भूकंप (4.0 से 4.7) दर्ज किए गए थे। इन भूकंपों को 1998 के चागाई-कऔर चागाई-क्कपरमाणु परीक्षणों से भी जोड़ा गया।

ट्रंप के दावे के बाद, अप्रैल से मई 2025 के बीच अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र में आए 4.0 से 4.7 तीव्रता वाले कई भूकंपों ने संदेह को और गहरा कर दिया है।

भूवैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इन भूकंपीय रीडिंग की तुलना पाकिस्तान द्वारा 1998 में किए गए चागाई-कऔर चागाई-क्क परमाणु परीक्षणों की रीडिंग से की है। हालांकि पाकिस्तान ने किसी भी गुप्त परीक्षण से साफ इनकार करते हुए कहा है कि वह "पहले परीक्षण करने वाला देश नहीं रहा है और न आगे होगा।" लेकिन,

बिहार चुनाव : बंपर वोटिंग ने प्रशांत किशोर के चेहरे पर लाई मुस्कान, जनसुराज को लेकर किया बड़ा दावा

(एजेंसी)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों पर पूरे देश की नजर है। पहले फेज में हुई बंपर वोटिंग ने सबको हैरत में डाल दिया है। इसके साथ नेताओं के दावों का दौर भी शुरू हो गया है। पहले फेज में पिछली बार की तुलना में लगभग 5 फीसदी ज्यादा मतदान हुआ है। प्रशांत किशोर ने मतदान में बढ़ोतरी को लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत बताते हुए कहा कि अब प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। नीतीश कुमार और लालू यादव दोनों से जनता परेशान हो चुकी है।

पीके ने गयाजी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अब तक लोग नीतीश कुमार को सिर्फ जंगलराज लौटने के डर से वोट देते रहे हैं। इस बार जनता के पास जनसुराज के रूप में एक विकल्प है और जनता ने बदलाव के लिए अपनी उत्साही भागीदारी दिखा दी है। इधर तेजस्वी यादव और एनडीए के नेता भी

दावा कर रहे हैं कि प्रचंड बहुमत से उनकी सरकार बनने वाली है।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज में हुई बंपर वोटिंग के बाद प्रशांत किशोर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लालू यादव के बाद लोगों ने नीतीश कुमार को मौका दिया। इसके बाद सिर्फ इस डर से वोट देने लगे कि लालू यादव का जंगलराज फिर न आ आए। गयाजी में मीडिया मे बात करते हुए पीके ने कहा, 'छठ के बाद घर लौटे मजदूर, युवा और जेन-जी वोटर्स बड़ी संख्या में मतदान के लिए निकले हैं। बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है और इस बार बदलाव होकर रहेगा।'

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ है और इस जबरदस्त आंकड़े ने राजनीतिक विश्लेषकों को भी हैरान कर दिया है।

- महिलाओं और युवाओं के अलावा बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने भी मतदान किया है।
- 18 जिलों के 121 विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान में कुल मतदाताओं की संख्या 3.75 करोड़ से अधिक है। पिछले चुनाव की तुलना में यह 5 फीसदी की बढ़त है।
- मुजफ्फरपुर में सर्वाधिक 70.96% मतदान दर्ज किया गया। इसके बाद समस्तीपुर में 70.63% और वैशाली में 67.37% मतदान हुआ।

उत्तराखंड को एक और वंदे भारत ट्रेन की सौगात, दूसरी ट्रेन से भी फायदा

उत्तराखंड को केंद्र सरकार ने एक और वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी है। नई वंदे भारत काठगोदाम से दिल्ली के बीच चलाई जाएगी। जिसके बाद से उत्तराखंड में तीन वंदे भारत चलेगी। प्रधानमंत्री 7 नवंबर को इसकी शुरूआत कर सकते हैं।

बता दें कि उत्तराखंड रजत जयंती उत्सव मना रहा है। 25 साल पूरे होने पर उत्तराखंड को मोदी सरकार का ये बड़ा तोहफा माना जा रहा है। उत्तराखंड में अभी दो वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। इसमें एक देहरादून से दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन और दूसरी देहरादून से लखनऊ रेलवे स्टेशन की ट्रेन शामिल है।

काठगोदाम से दिल्ली के बीच एक और वंदे भारत तीसरी ट्रेन होगी। ये ट्रेन हफ्ते में 6 दिन चलाई जाएगी।

वंदे मातरमः मां भारती की साधना और राष्ट्रभक्ति की प्रेरक अभिव्यक्ति

(एजेंसी)।

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज पूरे देश में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में भी इस ऐतिहासिक दिन को बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन किया और आजादी की राष्ट्रीय चेतना का स्मरण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि "'वंदे मातरम' मां भारती की साधना और आराधना की प्रेरक अभिव्यक्ति है।" उन्होंने कहा कि इस गीत की लय और प्रवाह हृदय को स्पंदित कर देती है और यह भारत की सांस्कृतिक पहचान, स्वतंत्र अस्तित्व-बोध और शाश्वत संकल्पना का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों की आवाज बना और आत्मबल का मंत्र बन गया। उन्होंने इसे भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता और समृद्धि की कहानी का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली में आयोजित स्मरणोत्सव में वर्चुअली भाग लिया और प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना। उन्होंने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि "'वंदे मातरम' मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम और राष्ट्रधर्म की भावना का प्रतीक है।" मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया गया तथा 'वंदे भारत पोर्टल' (५ल्लाीं३१ं150.ल्ल) का शुभारंभ किया गया, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी आवाज में 'वंदे मातरम' रिकॉर्ड कर सकते हैं।

ऐतिहासिक यात्रा की झलकः छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंत्रालय में 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी भारत के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम की अनकही कहानियों को उजागर करती है और नई पीढ़ी को प्रेरणा देती है।

वंदे मातरमः एक कालजयी रचना

मुख्यमंत्री ने बताया कि 7 नवम्बर 1875 को बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उनके उपन्यास 'आनंद मठ' में सम्मिलित किया गया था।

पश्चिम रेलवे ने 'वन्दे मातरमा' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'वन्दे मातरम' का पूर्ण संस्करण प्रस्तुत किया

मुंबई, 07 नवंबर, 2025

"एक गीत... एक राष्ट्र... एक भावना – वन्दे मातरम हम सबको जोड़ता है"

भारत के राष्ट्रीय गीत – "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7 नवंबर, 2025 को चर्चगेट स्थि्‍त पश्चिम रेलवे मुख्यालय में इस गीत के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। यह समारोह भारत के माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मुख्य समारोह के साथ आयोजित किया गया। मुख्यालय में यह कार्यक्रम पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया और इसमें प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ "वन्दे मातरम" गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव के अनुरूप हमारे राष्ट्रगीत के 150 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में राष्ट्र के प्रति एकता, सद्भाव और समर्पण के साझा आदर्शों की पुष्टि करने के लिए मुख्यालय कार्यालय, सभी मंडलों और कारखानों सहित पश्चिम रेलवे पर "वन्दे मातरम" का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ आयोजित किया गया और इसमें सभी स्तरों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो गर्व और देशभक्ति की भावना से इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल हुए।

वर्ष 2025 में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित "वन्दे मातरम" की रचना के 150 वर्ष पूरे हो जाएँगे। यह गीत अक्षय नवमी (7 नवंबर 1875) के दिन लिखा गया था और पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के एक अंश के रूप में प्रकाशित हुआ था। दशकों से यह गीत भारत की स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गौरव का अमर प्रतीक बन गया है।

इस सामूहिक पहल के माध्यम से पश्चिम रेलवे गर्वपूर्वक राष्ट्र के साथ इस ऐतिहासिक अवसर का उत्सव मनाते हुए, "वन्दे मातरम" की भावना के अनुरूप देशभक्ि्‍त, सेवा एवं समर्पण के आदर्शों को सशक्‍त बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं दुगार्पुरा के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तथा अतिरिक्त यात्री यातायात की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं दुगार्पुरा स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्‍पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस झ दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस–दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 10 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:30 बजे दुगार्पुरा पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुगार्पुरा–बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 9 नवंबर, 2025 को दुगार्पुरा से 12:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर और बनस्थली निवाई स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी–2 टियर, एसी–3 टियर, एसी–3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्‍लास कोच होंगे।

ट्रेन 09730 की बुकिंग 08 नवम्‍बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे चलायेगी अहमदाबाद और बरौनी के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधा को ध्यान में रखते अहमदाबाद और बरौनी के बीच स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 05262/05261 अहमदाबाद–बरौनी–अहमदाबाद स्पेशल (4 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 05262 अहमदाबाद–बरौनी स्पेशल 13 और 14 नवंबर 2025 को अहमदाबाद से 14:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 04.30 बजे बरौनी पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 05261 बरौनी–अहमदाबाद स्पेशल 11 और 12 नवंबर 2025 को बरौनी से 22:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 08.00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन आनंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुडवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 3 टियर इकॉनमी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 05262 की बुकिंग 09 नवंबर, 2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे का रविवार, 09 नवम्बर, 2025 को सांताक्रुज एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई, 07 नवंबर, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रैक, सिगनलिंग तथा ओवर हेड उपस्करों के रख–रखाव हेतु रविवार, 09 नवंबर, 2025 को सांताक्रुज एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच 10.00 बजे से 15.00 बजे तक अप तथा डाउन धीमी लाइनों पर पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ब्लॉक अवधि के दौरान धीमी लाइन की सभी उपनगरीय ट्रेनों को सांताक्रुज एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाया जायेगा। इसलिए, ये ट्रेनें प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई के कारण विले पार्ले स्टेशन पर नहीं रुकेंगी और फास्ट लाइनों पर प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण राम मंदिर स्टेशन पर भी नहीं रुकेंगी। हालाँकि, हार्बर लाइन पर विले पार्ले और राम मंदिर स्टेशन पर सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी तथा कुछ बोरीवली एवं अंधेरी ट्रेनों को हार्बर लाइन पर गोरेगाँव तक चलाया जाएगा।

इस सम्बंध में विस्तृत जानकारी सभी स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गौरवशाली 150 वर्ष, वडोदरा मंडल पर रेलकर्मियों ने किया सामूहिक गायन

स्वतंत्रता संग्राम में देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की अलख जगाने वाले वन्दे मातरम की रचना आज से 150 वर्ष पूर्व हुई थी। भारत के राष्ट्रीय गीत "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष के स्मरणोत्सव के अवसर पर नई दिल्ली में आज संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष भर चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया। इसी क्रम में पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के मंडल कार्यालय, एकता नगर एवं वडोदरा स्टेशनों पर बड़ी संख्या में रेलकर्मियों ने उपस्थित रह कर राष्ट्र गीत का सामूहिक गायन किया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2025 में वंदे मातरम गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस राष्‍ट्रीय गीत ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया और सदा ही राष्ट्रीय गौरव एवं एकता का अलख जगाता रहा है। राष्ट्रीय गीत "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष के स्मरणोत्सव के अवसर पर वडोदरा मंडल के मंडल कार्यालय में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज धमीजा के मार्गदर्शन में मंडल कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित हो कर नई दिल्ली में इस अवसर पर आयोजित समारोह में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ वीडियो लिंक के माध्यम से मंडल कार्यालय में सामूहिक गायन किया और देशभक्ति को नमन्‍ किया।

इसके साथ ही वडोदरा मंडल के एकता नगर एवं वडोदरा स्टेशन पर स्टेशन कर्मियों ने राष्ट्रभक्ति और एकता के प्रतीक राष्ट्रीय गीत का सामूहिक वाचन किया। मंडल पर इस समारोह का समन्वय एवं सफल आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री तेजराम मीना के नेतृत्व में कार्मिक विभाग की टीम द्वारा किया गया।

श्री सक्सेना ने आगे बताया कि श्री बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित हमारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम अक्षय नवमी के पावन अवसर पर, 7 नवंबर 1875 को लिखा गया था। वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के एक अंश के रूप में प्रकाशित हुआ था। मातृभूमि को शक्ति, समृद्धि और दिव्यता का प्रतीक बताते हुए इस गीत ने भारत की एकता और आत्मगौरव की जागृत भावना को काव्यात्मक अभिव्यक्ति दी। यह गीत जल्द ही राष्ट्र के प्रति समर्पण का एक चिरस्थायी प्रतीक बन गया।

वडोदरा मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ऑडियो संदेश एवं विशेष उद्घोषणाएं प्रसारित की जा रही हैं, साथ ही स्टेशनों पर लगे एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से भी 'वंदे मातरम' से संबंधित जानकारी आज से पूरे वर्षभर प्रदर्शित की जाएगी।

चिराग पासवान के हेलीकॉप्टर को क्यों नहीं मिली उड़ान की इजाजत? पीएम मोदी से की शिकायत, फिर क्या हुआ

(एजेंसी)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान उस समय सुर्खियों में आ गए, जब उन्हें एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) सिस्टम में तकनीकी खराबी के चलते अपने हेलीकॉप्टर में करीब 45 मिनट से ज्यादा इंतजार करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर अपनी तकलीफ बताई कि उनकी 9 सभाएं हैं और वे 1 घंटे से उड़ान की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं।

धर्मेंद्र प्रधान से बातचीत के बाद भी जब समस्या हल नहीं हुई, तो चिराग ने पीएम से संपर्क साधा। इस घटना ने न केवल बिहार में, बल्कि दिल्ली एयरपोर्ट पर भी ATC खराबी के चलते 100 से अधिक उड़ानों में देरी का मुद्दा उजागर किया है, जिससे यात्री खासे परेशान हुए। करीब 1 घंटे 22 मिनट बाद आखिरकार चिराग पासवान की उड़ान हो सकी।

हेलीकॉप्टर में फंसे चिराग ने PM मोदी को किया सीधे फोन

बिहार चुनाव प्रचार के दौरान लोजपा (आर) अध्यक्ष चिराग पासवान को पटना एयरपोर्ट पर अपने हेलीकॉप्टर के लिए 45 मिनट से अधिक इंतजार करना पड़ा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण उड़ान की अनुमति नहीं मिल रही थी। पहले उन्होंने बिहार भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से संपर्क किया, जिन्होंने बताया कि

यह एक सामान्य समस्या है। लेकिन जब समस्या हल नहीं हुई, तो चिराग ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर अपनी परेशानी बताई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा कि उनकी 9 सभाएं हैं और वे 1 घंटे से उड़ान के लिए बैठे हैं। यह घटना चिराग के पीएम मोदी के साथ सीधे संवाद को दर्शाती है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में खराबी से बढ़ी चुनावी चुनौती

चिराग पासवान के हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने में हुई देरी सिर्फ एक व्यक्तिगत परेशानी नहीं थी, बल्कि इसने एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में एक बड़ी तकनीकी खराबी को उजागर किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम में गड़बड़ी आ गई थी, जिससे विमानों के टेकऑफ और लैंडिंग का डाटा साझा नहीं हो पा रहा था। इस खराबी के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर भी 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हुई। चुनाव के व्यस्त समय में ऐसी तकनीकी दिक्कतें न केवल राजनेताओं के प्रचार शेड्यूल को प्रभावित करती हैं, बल्कि पूरे एयर ट्रैफिक सिस्टम की दक्षता पर भी सवाल खड़े करती हैं।

ये भी पढें: ङ्ग१ ए्ू३ङ्गल्ल 2025 ढँरी 1 शङ्ग३ल्लॅ ळ४१ल्लङ्ग४३: पहले चरण में मतदान 64% के पार, 143 शिकायतें, महिलाओं ने दिखाया दम

चिराग का दावा: पहले चरण में ठऊअ को मिलेंगी 100 सीटें

लंबी प्रतीक्षा के बाद आखिरकार बेतिया के लिए रवाना होने से पहले, चिराग पासवान ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटों में से ठऊअ गठबंधन 100 सीटें जीतने जा रहा है। चिराग ने यह भी बताया कि उनकी अपनी पार्टी, लोजपा (आर), जिन 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहाँ से भी बेहद सकारात्मक रिपोर्ट आ रही है। तकनीकी खराबी के कारण उड़ान में देरी के बावजूद, चिराग पासवान चुनावी जीत के प्रति आश्वस्त दिखे और उन्होंने अपने दावे के साथ मीडिया को संबोधित किया।

भावनगर रेल मंडल द्वारा पेंशनर्स हेतु डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट शिविर का सफल आयोजन

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के दिशा–निदेर्शों के अनुरूप पेंशनर्स के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन कम्युनिटी हॉल, भावनगर परा में किया गया। इस शिविर में 150 से अधिक पेंशनर्स ने भाग लिया। उन्हें डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन ने की। इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक (लेखा) श्री संजय सक्सेना तथा अत्र्क्ष (ह&र), भावनगर वर्कशॉप श्री रतनेश कुमार उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्री हुबलाल जगन ने कहा कि 'डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट प्रणाली से पेंशनर्स को अत्यधिक सुविधा प्राप्त होती है, जिससे उन्हें बैंक या कार्यालय में बार–बार उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं रहती। यह व्यवस्था समय की बचत के साथ–साथ पारदर्शिता एवं सुगमता सुनिश्चित करती है।' उन्होंने सभी पेंशनर्स से इस डिजिटल सुविधा का अधिकाधिक लाभ लेने का आग्रह किया।

श्री संजय सक्सेना एवं श्री रतनेश कुमार ने पेंशनर्स को डिजिटल प्रमाण पत्र पंजीकरण की तकनीकी प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर ऑल इंडिया पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने मंडल प्रशासन के इस सराहनीय कदम की प्रशंसा करते हुए पेंशनर्स के हित में ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन का अनुरोध किया।

कार्यक्रम का समन्वयन मंडल कार्मिक विभाग द्वारा किया गया। शिविर के दौरान पेंशनर्स को 'जीवन प्रमाण पत्र' के डिजिटल पंजीकरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया का प्रायोगिक प्रदर्शन (डेमो) भी कराया गया।

भावनगर मंडल द्वारा आयोजित यह शिविर पेंशनर्स के हित में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ, जिससे रेलवे के पेंशनरों को डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूकता एवं सुविधा दोनों प्राप्त हुईं।

भारत पर्व-2025 : स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर

वेस्ट मटीरियल से वाद्ययंत्रों की प्रतिकृतियां बनाकर कलाकार राहुल श्रीवास बने आत्मनिर्भर

भारत पर्व में मेरी कला को मंच प्रदान कर सरकार ने आत्मनिर्भर कलाकारों को दी नई पहचान : राहुल श्रीवास

- मध्य प्रदेश की लोककला का प्रतिनिधित्व कर रहे राहुल श्रीवास बनाते हैं 40 प्रकार के वाद्ययंत्रों की प्रतिकृतियां
- भारत पर्व–2025 में राहुल श्रीवास की सुरीली रचनात्मक यात्रा : वेस्ट मटेरियल से बनी वाद्ययंत्रों की प्रतिकृतियां बनी आकर्षण का केंद्र
- सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता नगर में आयोजित 'भारत पर्व–2025' में राहुल श्रीवास की अनोखी कला देश की सांस्कृतिक एकता का संदेश देती है

गांधीनगर, 07 नवंबर : दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के परिसर में इन दिनों भारत की अनेकता में एकता की झलक देखने को मिल रही है। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारत सरकार और गुजरात सरकार के सहयोग से 1 से 15 नवंबर के दौरान एकता नगर में भव्य 'भारत पर्व' का आयोजन किया गया है। यहां देश के विभिन्न राज्यों की लोककला, संगीत और संस्कृति का एक साथ प्रदर्शन किया जा रहा है।

इस उत्सव में मध्य प्रदेश के भोपाल शहर की अरेरा कॉलोनी निवासी वाद्ययंत्र की प्रतिकृति बनाने वाले कलाकार राहुल श्रीवास भी अपनी अनोखी कला से सभी का ध्यान आकर्शित कर रहे हैं। वे फर्नीचर के वेस्ट मटेरियल से तबला, ढोलक, हारमोनियम, सितार, वीणा, बीन, बांसुरी, जलतरंग, मृदंग, खंजरी, डफ, शंख, झालर, किरताल, सारंगी और शहनाई जैसे लगभग 40 प्रकार के वाद्ययंत्रों की छोटे आकार वाली प्रतिकृतियां बना रहे हैं। वाद्ययंत्रों की ये प्रतिकृतियां देखने में आकर्षक होने के साथ–साथ 'वोकल फॉर लोकल' की भावना का जीवंत उदाहरण भी हैं।

संगीत प्रेमी परिवार में जन्में राहुल श्रीवास ने मध्य प्रदेश की प्रयाग यूनिवर्सिटी से संगीत में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। प्रारंभ में वे संगीत कार्यक्रमों में हिस्सा लेते थे, लेकिन महंगे वाद्ययंत्र खरीदने की असमर्थता के कारण उन्होंने एक नई दिशा में सोचना शुरू किया।

राहुल कहते हैं, 'वाद्ययंत्रों की कीमतें बहुत अधिक होने के कारण उन्हें खरीदना मुश्किल था, इसलिए मैंने फर्नीचर के वेस्ट मटेरियल से छोटे वाद्ययंत्र बनाने की शुरूआत की। लोगों को ये वाद्ययंत्र काफी पसंद आए और धीरे–धीरे उनकी मांग बढ़ने लगी।'

इस प्रकार हाथ से बने वाद्ययंत्रों की बिक्री से उन्होंने अपनी आजीविका चलाई। आज से दशकों पहले शुरू हुआ यह छोटा प्रयास आज उनकी आत्मनिर्भरता और रचनात्मकता का प्रतीक बन गया है।

20 महिलाओं को देते हैं रोजगार

वर्तमान में राहुल श्रीवास अपने परिवार के सहयोग से लगभग 20 महिलाओं को वाद्ययंत्रों की छोटी प्रतिकृतियां बनाने का काम सिखा रहे हैं और उन्हें रोजगार प्रदान कर रहे हैं। वे प्रतिमाह लगभग 30,000 रुपए कमाते हैं और अपने साथ जुड़ीं महिलाओं को दैनिक 300 रुपए का रोजगार प्रदान करते हैं। वे कहते हैं, 'मैं तो आत्मनिर्भर बन गया हूं, लेकिन मेरे लिए सच्चे संतोष की बात यह है कि मैं अपने साथ जुड़ीं महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बना पाया हूं।'

भारत पर्व में मध्य प्रदेश की कला का प्रतिनिधित्व

एकता नगर में भारत पर्व उत्सव के दौरान मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के समन्वय से राज्य सरकार ने राहुल श्रीवास को एक विशेष स्टॉल आवंटित किया है, जहां वे अपने वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन और बिक्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की ओर से बहुत ही अच्छा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने गुजरात सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन से हमारे जैसे छोटे उद्योगकारों को एक बड़ा मंच उपलब्ध हुआ है।

उनके स्टॉल पर देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटक उत्साहपूर्वक आते हैं। छोटे आकार के वाद्ययंत्रों का आकर्षण हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देता है।

राहुल की कला बनी आत्मनिर्भर भारत के सपने का प्रतिबिंब

राहुल श्रीवास की कला केवल एक व्यवसाय ही नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने का प्रतिबिंब भी है। वेस्ट मटेरियल से कलात्मक और उपयोगी वाद्ययंत्र बनाने की उनकी शैली 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' के संदेश को जीवंत करती हैं।

एकता नगर के इस भारत पर्व–2025 के दौरान राहुलभाई जैसे कलाकार भारत की हस्तकला, लोकसंगीत और आत्मनिर्भरता की भावना को उजागर कर रहे हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

बाहुबली यान ने इसरो के गगनयान मिशन को दी रफ्तार

इसरो 'गगनयान मिशन' की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत इंसान को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत 2035 तक अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय भेजने की योजना बना रहा है। इसरो का बाहुबलीः विज्ञान और संकल्प की उड़ान इसरो ने अपने सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 (जीसैट 7 आर) को एलवीएम3- एम5 रॉकेट के माध्यम से श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष वेंद्र से 02 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है, जिसे 'बाहुबली रॉकेट' (43.5 मीटर ऊंचा और करीब 640 टन वज़नी एलवीएम-3 रॉकेट) नाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इसरो ने 2019 में नौसेना के लिए इस उपग्रह के विकास के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, जो 2013 में प्रक्षेपित किए गए जीसैट- 7 रुक्मिणी की जगह लेगा। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस रॉकेट में दो एस-200 ठोस बूस्टर, एल-110 द्रव ईंधन वाला कोर स्टेज और सी-25 ायोजेनिक इंजन लगा है, जो इसे भारत का सबसे शक्तिशाली लॉन्च वाहन बनाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह उपग्रह 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक सशक्त पहल है। दूसरे शब्दों में कहें तो जीसैट- 7आर परियोजना, भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों की भावना को साकार करती है। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि सीएमएस-03 की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण में भी विश्व स्तरीय स्तर पर खड़ा हो चुका है, और भविष्य में यह क्षमता मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशनों तथा गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए मजबूत आधार बनेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो इस कामयाबी से इसरो को आगामी महत्वाकांक्षी अभियानों के लिए जरूरी आत्मविश्वास भी मिल सकेगा। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि यह मिशन भारत के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि पहली बार इतनी भारी क्षमता वाला संचार उपग्रह पूरी तरह स्वदेशी प्रक्षेपण यान से भूसामान्य स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित किया गया। इस उपग्रह का वजन लगभग 4,410 किलोग्राम है, और यह भूसमकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। ध्यातव्य है कि एलवीएम 3 रॉकेट को 'बाहुबली' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह भारी वजन के उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने की क्षमता रखता है। एलवीएम-3 रॉकेट की तीन चरणीय संरचना में दो ठोस रॉकेट बूस्टर एस-200, एक एल 110 और एक व्रायोजेनिक चरण सी- 25 शामिल हैं। यह रॉकेट इसरो को 4,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले उपग्रहों को जीटीओ तक भेजने में सक्षम बनाता है, जिससे भारत को विदेशी देशों से उपग्रह प्रक्षेपण सेवाएं प्राप्त करने पर निर्भरता कम होती है। गौरतलब है कि इस रॉकेट के पिछले सफल मिशन में चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण शामिल था, जिससे भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बना। बहरहाल, यदि हम यहां पर सीएमएस-03 उपग्रह की बात करें तो यह एक मल्टी-बैंड संचार उपग्रह है, जिसे भारत की संचार अवसंरचना बेहतर बनाने के लिए भेजा गया है। वास्तव में, यह उपग्रह कई सेवाओं के लिए किफायती और प्रभावी तरीके से जीटीओ में स्थित होगा, जिससे भारत की दूरसंचार और संचार सेवाओं में सुधार होगा। इसका उद्देश्य न केवल देश के दूरसंचार नेटवर्व सुदृढ़ करना है, बल्कि संचार सेवाओं की गुणवत्ता और विस्तार को बढ़ावा देना भी है। वास्तव में, सीएम एस-3(जीसैट-7 आर) कम्युनिकेशन सैटेलाइट नौसेना का सबसे एडवांस्ड सैटेलाइट है, जिससे नौसेना की समुद्री इलाके में निगरानी की क्षमता मजबूत होगी। यानी एक तरह से यह सैटेलाइट समुद्र में सेना के लिए आंख का काम करेगी। जानकारी के अनुसार इस सैटेलाइट मेंअत्याधुनिक स्वदेशी घटक शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इसमें उच्च क्षमता वाले ट्रांसपोंडर आवाज , डेटा और वीडियो लिक को एक साथ संचालित कर सवेंगे। इससे मल्टीबैंड कम्युनिकेशन सपोर्ट मिलेगा, जिससे नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों और समुद्री संचालन वेंद्रों के बीच सुरक्षित और निर्बाध संपर्व बना रहेगा। इतना ही नहीं, इससे भारतीय महासागर क्षेत्र में व्यापक टेलीकम्युनिकेशन कवरेज संचालित करने में भी मदद मिलेगी। इस उपलब्धि का एक बड़ा लाभ यह है कि इससे नौसेना की समुद्री डोमेन जागरूकता और रणनीतिक क्षमताओं में वृद्धि होगी।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती - जनजातीय गौरव वर्ष का उत्सव

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अंबाजी से एकता नगर तक आयोजित होने वाली जनजातीय गौरव यात्रा को प्रस्थान कराया
- विधानसभा अध्यक्ष तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों की प्रेरक उपस्थिति

- 7 से 13 नवंबर तक अंबाजी से एकता नगर तथा उमरगाम से एकता नगर तक कुल 1,378 किलोमीटर की जनजातीय गौरव यात्रा का विशेष आयोजन
- राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के गौरवपूर्ण योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य के साथ राज्य के गाँवों में भ्रमण करेगी यात्रा
- स्वतंत्रता संग्राम में अग्रसर रहे आदिवासी बांधवों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल के भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनाया है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- जिसे कोई न पूछे, उसे मोदी पूजते हैं
- स्वतंत्रता वीर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की परंपरा प्रधानमंत्री ने शुरू कराई है

गांधीनगर, 07 नवंबरः मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा की डेढ़ सौवीं जयंती के उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित हो रही जनजातीय गौरव यात्रा का शुक्रवार को अंबाजी से प्रारंभ कराते हुए कहा कि जिसे कोई न पूछे, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पूजते हैं।

श्री पटेल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अग्रसर रहे आदिवासियों को प्रधानमंत्री ने अमृतकाल के भारत की इस विकास यात्रा में भागीदार बनाया है। इतना ही नहीं; स्वतंत्रता वीर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की नई परंपरा भी उन्होंने 2011 से स्थापित की है।

आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का उत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से इस वर्ष मनाया जा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा की अगुवाई में आदिजातियों के ऐतिहासिक योगदान को आज की पीढ़ी जाने तथा उससे राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा प्राप्त करे; इस उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस वर्ष को 'जनजातीय गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उत्सव के उपलक्ष्य में 1 से 15 नवंबर, 2025 के दौरान 'जनजातीय गौरव वर्ष महोत्सव' के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा 7 से 13 नवंबर तक राज्य के आदिजाति क्षेत्रों में जनजातीय गौरव यात्रा निकाली जाएगी; जिसमें रूट नंबर 1 उमरगाम से एकता नगर तक 665 किलोमीटर तथा रूट नं. 2 अंबाजी से एकता नगर तक 713 किलोमीटर सहित कुल 1,378 किलोमीटर में आदिजाति क्षेत्र को समाविष्ट करते हुए इस 'जनजातीय गौरव रथयात्रा' का विशेष आयोजन किया गया है।

इस यात्रा के दौरान जनजातीय गौरव रथ जिन गाँवों में जाएगा, वहाँ लोगों द्वारा स्वागत किया जाएगा तथा रात्रि विराम स्थलों पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र पर नाटक मंचन, प्रदर्शन होंगे तथा केन्द्र-राज्य सरकार की योजनागत जानकारी भी लोगों को दी जाएगी।

यात्रा के माध्यम से उसके रूट पर स्थित गाँवों में स्वास्थ्य जाँच शिविर, सेवा सेतु, सामूहिक स्वच्छता सहित अनेक सेवाभावी कार्यक्रम जन भागीदारी से आयोजित होंगे। बच्चे, युवा तथा समग्र समाज भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र से परिचित हों; ऐसे कार्यक्रम भी इस यात्रा के दौरान होने वाले हैं।

इसके अतिरिक्त; भगवान बिरसा मुंडा द्वारा राष्ट्र निर्माण के लिए दिए गए योगदान पर चित्रकला तथा वक्तव्य प्रतियोगिता, नाटक-भवाई एवं उनके जीवन पर आधारित व्याख्यान, फिल्म प्रदर्शन भी राज्य सरकार के विभागों द्वारा आयोजित होने वाले हैं। 14 आदिजाति जिलों के अलावा 20 जिलों में 13 से 15 नवंबर के दौरान जनजातीय गौरव वर्ष उत्सव के विभिन्न कार्यक्रम होने वाले हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अंबाजी धाम से इस गौरव यात्रा को प्रस्थान कराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में आदिवासियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देते हुए अनेक कल्याण कार्यक्रम साकार किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात में आदिजातियों के सामाजिक-आर्थिक उत्कर्ष के लिए शुरू कराई गई वनबंधु कल्याण योजना की अवधि को राज्य सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपए के प्रावधान के साथ 2025 तक बढ़ाया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने बताया कि पीएम जनमन अभियान में राज्य के आदिम समूहों को प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास, आदिम समूह बस्तियों में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए 21 मोबाइल टावर्स तथा 4जी सेवाएँ मिल रही हैं।

उन्होंने आदिकर्मयोगी अभियान अंतर्गत राज्य के 1 लाख 40 हजार से अधिक लोगों द्वारा आदिवासी ग्राम विजन 2030 तैयार करने में सहभागी होकर आदिजाति गाँवों के सर्वांगीण विकास का विलेज एक्शन प्लान तैयार किए जाने की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित भारत@2047 में इन आदिवासियों के उत्थान एवं योगदान; दोनों को महत्वपूर्ण बताया। इसके लिए उन्होंने वोकल फॉर लोकल द्वारा अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने तथा स्थानीय आदिवासी हस्तकला एवं कारीगरी, खान-पान को प्रोत्साहन देकर जनजातीय गौरव को उजागर करने का भी आ'ान किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडाजी आदिवासी समाज के प्रेरणास्रोत तथा आदर्श व्यक्तित्व रहे हैं। उन्होंने अपने जीवन द्वारा धर्म, संस्कृति एवं आदिवासी पहचान को बनाए रखने के अविरत प्रयास किए। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों तथा अंधविश्वास को दूर करने के लिए जनजागृति फैलाई थी।

श्री चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने शिक्षा के प्रसार को विशेष महत्व दिया था और व्यसनमुक्ति के लिए अभियान चलाकर समाज सुधार का कार्य किया था। उन्होंने आश्रम की स्थापना कर समाज को एक नई दिशा दी थी, जो आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा देती है। भगवान बिरसा मुंडा ने अनेक मुश्किलों के बीच भी अंग्रेज सरकार की दमन नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई थी। उनके संघर्षमय जीवन से हम राष्ट्रीय एकता, आत्सम्मान तथा न्याय के लिए लड़ने की प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं। भगवान बिरसा मुंडा का योगदान भारत के इतिहास में अमर रहेगा।

आदिजाति विकास तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री श्री पूनमचंद बरंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडाजी का जीवन संघर्ष, सेवा एवं समर्पण का रहा है। उन्होंने आदिवासी समाज को आत्मविश्वास तथा एकता का बल दिया था। आज राज्य सरकार आदिवासियों के सर्वांगीण विकास के लिए आदिजाति क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

जनजातीय गौरव यात्रा के शुभारंभ अवसर पर राज्य मंत्री सर्वश्री प्रवीणभाई माली, स्वरूपजी ठाकोर, कमलेशभाई पटेल, रमेशभाई कटारा, अग्रणी श्री रत्नाकरजी, राज्यसभा सदस्य श्री बाबूभाई देसाई, श्रीमती रमीलाबेन बारा, विधायक श्री अनिकेतभाई ठाकर,आदिजाति विभाग की प्रधान सचिव श्री शाहमीना हुसैन, पूर्व मंत्री श्री कुबेरभाई डिंडोर, श्री हरिभाई चौधरी, जिला कलेक्टर श्री मिहिर पटेल, जिला विकास अधिकारी श्री एम. जे. दवे, जिला पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सुंबे सहित अधिकारी, महानुभाव, बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के अग्रणी एवं लोग उपस्थित रहे।

'मेरे सीने के पास आए, पीरियड्स के बारे में पूछा', महिला क्रिकेटर के साथ शर्मनाक हरकत, चयनकर्ता पर गंभीर आरोप

बांग्लादेश की अनुभवी तेज गेंदबाज और पूर्व कप्तान जहांआरा आलम ने राष्ट्रीय टीम मैनेजमेंट पर 2022 वर्ल्ड कप के दौरान हुए बदसलूकी का आरोप लगाया है। न्यूजीलैंड के दौरान मैच अभद्र प्रस्ताव मिलने के चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। मानसिक स्वास्थ्य कारणों से ब्रेक लेने के बाद फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में रह रहीं 32 वर्षीय जहांआरा ने ये आरोप एक यू-ट्यूब चैनल पर दिए एक इंटरव्यू के दौरान लगाया।

पूर्व चयनकर्ता पर लगाए गंभीर आरोप

जहांआरा आलम ने मुख्य रूप से तत्कालीन महिला चयनकर्ता और मैनेजर मंजूरुल इस्लाम पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि जब उन्होंने मंजूरुल के 'अभद्र प्रस्ताव' को ठुकरा दिया तो उन्होंने उन्हें राष्ट्रीय टीम के लिए सही से खेलने नहीं दिया। आलम के अनुसार मंजूरुल ने 2022 वर्ल्ड कप के दौरान दूसरी बार उनसे संपर्क किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नेट्स में गेंदबाजी के दौरान मंजूरुल

उनके कंधे पर हाथ रखते थे, उन्हें अपने सीने से दबाते थे और उनके कान के पास अपना मुंह ले आते थे।

जहांआरा ने आगे आरोप लगाया कि मंजूरुल इस्लाम ने उनसे उनकी 'पीरियड साइकिल' के बारे में बार-बार अस्वाभाविक तरीके से सवाल किए। उन्होंने कहा कि मंजूरुल ने उनसे सीधे पूछा कि उनका पीरियड आज कितने दिन चल रहा है, जबकि आईसीसी गाइडलाइन के तहत यह जानकारी केवल फिजियोथेरेपिस्ट या डॉक्टर के पास होनी चाहिए। आलम के मुताबिक जब उन्होंने मंजूरुल को पीरियड खत्म होने के बारे में बताने से मना किया तो उन्होंने अजीब तरह से प्रतिक्रिया दी, जो सामान्य नहीं था।

कोच ने आरोपों को बताया निराधार

जहांआरा ने यह भी कहा कि उन्होंने डेढ़ साल तक इन घटनाओं के बारे में पूर्व महिला समिति प्रमुख नादेल चौधरी को कई बार सूचित किया, लेकिन केवल अस्थायी समाधान मिला। उन्होंने बीसीबी के उएड निजामुद्दीन चौधरी को भी शिकायत करने का दावा किया, लेकिन उनकी शिकायतों को अनदेखा कर दिया गया। जब इन आरोपों के संबंध में मंजूरुल इस्लाम से संपर्क किया गया, तो उन्होंने इन सभी दावों को 'निराधार' बताकर खारिज कर दिया।

वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने इन आरोपों को काफी गंभीर बताया है। इउइ के उपाध्यक्ष शखवात हुसैन ने कहा है कि बोर्ड इस मामले पर विचार करेगा और अगर आवश्यक हुआ तो जांच शुरू की जाएगी।

क्या चिराग पासवान की सांसद शांभवी चौधरी ने 2-2 बार वोट दिया? वायरल वीडियो पर विपक्ष ने उठाया सवाल

(एजेंसी)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बाद सियासी गलियारों में एक बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। एलजेपी-रामविलास की सांसद शांभवी चौधरी पर दो बार वोट डालने का गंभीर आरोप लगा है। मतदान के बाद उन्होंने अपने दोनों हाथों की एक-एक उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए तस्वीरें और वीडियो साझा किए थे, जिसके बाद कांग्रेस और आरजेडी ने उन्हें घेरना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और आरजेडी प्रवक्ता कंचना यादव ने एक्स पर वीडियो और तस्वीरें साझा करते हुए इसे 'अलग स्तर का फ्रॉड' बताया है और चुनाव आयोग से जांच की मांग की है। यह घटना बिहार में चुनावी पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

शांभवी चौधरी की 'दोनों उंगलियों पर स्याही' बनी विवाद का कारण

एलजेपी-रामविलास की सांसद शांभवी चौधरी की एक तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह अपने दोनों हाथों की तर्जनी उंगली पर लगी स्याही

दिखाती हुई नजर आ रही हैं। आमतौर पर, वोट डालने के बाद केवल एक उंगली पर स्याही लगाई जाती है। उनकी इस हरकत ने विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और आरजेडी को हमलावर होने का मौका दे दिया है। यह घटना बुद्धा कॉलोनी स्थित सेंट पॉल स्कूल में हुए मतदान के बाद सामने आई, जहां शांभवी ने अपने पिता अशोक चौधरी और मां नीता चौधरी के साथ वोट डाला था।

कांग्रेस और फखऊ ने 'लोकतंत्र की धज्जियां' उड़ाने का आरोप लगाया

शांभवी चौधरी के 'दोनों उंगलियों पर स्याही' वाले वीडियो पर कांग्रेस और आरजेडी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए ठऊअ पर लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया। वहीं, आरजेडी प्रवक्ता कंचना यादव ने वीडियो पोस्ट कर इसे एक अलग ही स्तर का फ्रॉड बताया। उन्होंने दावा किया कि शांभवी ने दो बार वोट किया है और उनके पिता अशोक चौधरी उन्हें आंखों के इशारे से संकेत दे रहे थे। दोनों दलों ने चुनाव आयोग से इस गंभीर मामले की तत्काल जांच की मांग की है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

चुनाव आयोग पर बढ़ा दबावः क्या होगी 'डबल वोट' की जांच?

शांभवी चौधरी पर लगे 'डबल वोटिंग' के आरोपों ने चुनाव आयोग पर भारी दबाव बढ़ा दिया है। विपक्षी दल और सोशल मीडिया यूजर्स लगातार इस मामले की जांच की मांग कर रहे हैं।

यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह बिहार विधानसभा चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करेंगे।

जसप्रीत बूमराह ने रचा इतिहास, पाकिस्तानी खिलाड़ी का टूटा रिकॉर्ड!

(एजेंसी)।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 में हराकर सीरीज में बढ़त बना ली है। सीरीज में शानदार वापसी करते हुए चौथा मैच भारत ने 48 रनों से जीत लिया। पहले मैच के धुल जाने और दूसरे में हार के बाद टीम इंडिया ने लगातार दो जीत दर्ज करके सीरीज में अहम बढ़त बना ली है। अब भारत की कोशिश अंतिम मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करने की होगी।

भारत ने 48 रनों से जीता मैच

6 नवंबर को कैरारा ओवल में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 167 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को केवल 119 रनों पर ही सीमित कर दिया और मैच आसानी से जीत लिया। जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बल्लेबाजों की तारीफ की। इस तरह भारत ने चौथे

टी-20 मैच को 48 रनों से अपने नाम किया।

जीत के बाद क्या बोले कप्तान सूर्यकुमार यादव

जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि श्रेय पूरी तरह से सभी बल्लेबाजों को जाता है। जिस तरह से शुभमन और अभिषेक ने शुरूआत की, वे जानते थे कि यह 200-220 रन वाली पिच नहीं थी। उन्होंने बहुत समझदारी से बल्लेबाजी की। उन्होंने इस जीत को बल्लेबाजों का संपूर्ण टीम प्रयास बताया। भारतीय गेंदबाजों ने इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया।

बुमराह ने तोड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी का रिकॉर्ड

भारत की जीत में कई गेंदबाजों का योगदान रहा, लेकिन स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अपने चार ओवरों में 27 रन देकर एक विकेट लेने के साथ ही बुमराह टी-20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल को पीछे छोड़ दिया है। अब बुमराह के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 पारियों में 20 टी-20 विकेट हो गए हैं, जबकि अजमल ने 11 पारियों में 19 विकेट लिए थे।

वीकेंड को ना करें वेस्ट, घूम आएं उत्तराखंड का औद्योगिक शहर, नहीं मिलेगा फिर ये मौका

(एजेंसी)।

उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले में बसा काशीपुर केवल एक औद्योगिक शहर नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता का सुंदर मेल है। कहा जाता है कि काशीपुर का नाम देवी पार्वती के एक रूप "कौशिकी" से पड़ा है। इस क्षेत्र का इतिहास गुप्त और कुषाण साम्राज्य तक फैला हुआ है, जिसके अवशेष आज भी यहां की पुरातात्विक खुदाई में मिले हैं। प्रसिद्ध चीनी यात्री 'नसांग ने भी 7वीं शताब्दी में इस क्षेत्र का जिक्र किया था।

आज का काशीपुर उत्तराखंड का एक प्रमुख औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्र है, जो अपने शांत वातावरण और धार्मिक स्थलों के लिए जाना जाता है। कुमाऊं पहाड़ियों की तलहटी में बसा काशीपुर "उत्तराखंड का औद्योगिक शहर" कहलाता है। इसका अतीत इससे कहीं ज्यादा समृद्ध रहा है। यह शहर आम और लीची जैसे कृषि उत्पादों के लिए एक प्रमुख व्यापार केंद्र भी है।

दिल्ली-एनसीआर से करीब 4 घंटे की ड्राइव आपको काशीपुर पहुंचा सकती है। अगर आप वीकेंड पर आसपास घुमने का प्लान बना रहे हैं तो उत्तराखंड का काशीपुर एक बेहतरी ऑप्शन हो सकता है। 2 दिनों की पूरी ट्रेवल आइटिनररि हम आपके लिए लाए हैं।

दिन 1: इतिहास और भक्ति से भरी यात्रा

सुबहः गिरिताल और द्रोण सागर का आनंद

अपनी यात्रा की शुरूआत शांत और सुंदर गिरिताल झील से करें। यहां नौका विहार का आनंद लिया जा

सकता है और झील के किनारे बने प्राचीन मंदिर में दर्शन किए जा सकते हैं।

इसके बाद जाएं द्रोण सागर, जो माना जाता है कि पांडवों ने गुरु द्रोणाचार्य के सम्मान में बनवाया था। यह जगह इतिहास और शांति दोनों का अनुभव देती है।

दोपहरः स्थानीय भोजन का स्वाद

शहर के किसी प्रसिद्ध रेस्तरां में स्वादिष्ट कुमाऊंनी थाली या उत्तर भारतीय व्यंजन का आनंद लें।

शामः मंदिरों की यात्रा

बाल सुंदरी देवी मंदिर (चैती देवी मंदिर): काशीपुर का सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल, जहां चैत्र नवरात्रि में विशाल मेला लगता है।

मोटेश्वर महादेव मंदिरः भगवान शिव को समर्पित यह प्राचीन मंदिर माना जाता है कि महाभारत काल से जुड़ा है।

दिनभर की यात्रा के बाद शाम को अपने होटल लौटें और स्थानीय व्यंजनों के साथ डिनर करें।

दिन 2: प्रकृति और रोमांच का अनुभव

सुबहः जिम कॉर्बेट फॉल्स की ओर

दूसरे दिन की शुरूआत करें कॉर्बेट फॉल्स से, जो काशीपुर से लगभग 40-50 किलोमीटर दूर स्थित है। यह झरना घने जंगलों के बीच बहता है और यहां की ताजी हवा आपको तरोताजा कर देगी।

दोपहरः लंच और विश्राम

कॉर्बेट फॉल्स या रामनगर के आसपास के किसी कैफे या रेस्तरां में दोपहर का भोजन करें।

शामः जिम कॉर्बेट म्यूजियम और शॉपिंग

रामनगर में स्थित जिम कॉर्बेट म्यूजियम देखने जाएं, जहां प्रसिद्ध शिकारी और पर्यावरणविद जिम कॉर्बेट के जीवन से जुड़ी जानकारी मिलती है। इसके बाद काशीपुर लौटकर स्थानीय बाजारों में खरीदारी का आनंद लें - खासकर यहां के मौसमी आम और लीची की।

कब जाएं और क्या ध्यान रखें

सर्वश्रेष्ठ समयः अक्टूबर से मार्च तक का मौसम यात्रा के लिए सबसे अच्छा रहता है।

आवागमनः काशीपुर रेल और सड़क दोनों से अच्छी तरह जुड़ा है। स्थानीय यात्रा के लिए टैक्सी या ऑटो का उपयोग करें।

ठहरने की व्यवस्थाः यहां बजट और लक्जरी दोनों तरह के होटल उपलब्ध हैं।

जरूरी सामानः हल्के गर्म कपड़े, आरामदायक जूते, कैमरा और सनस्क्रीन साथ रखें।

काशीपुर केवल मंदिरों और इतिहास का शहर नहीं, बल्कि यह प्रकृति, संस्कृति और परंपरा का जीवंत उदाहरण है। अगर आप उत्तराखंड के कम भीड़भाड़ वाले लेकिन आकर्षक स्थलों की तलाश में हैं, तो काशीपुर आपकी अगली यात्रा का आदर्श गंतव्य साबित हो सकता है।

क्राफ्ट ,क्राफ्ट एवं संस्कृति प्रदर्शनी का प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखीमपुर खीरी , श्रीमती सीमा शुक्ला द्वारा किया गया भव्य उद्घाटन

लखीमपुर खीरी।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में कला क्राफ्ट एवं संस्कृति प्रदर्शनी का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की प्राचार्या श्रीमती सीमा शुक्ला द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

प्रदर्शनी में प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए विविध प्रकार के शैक्षिक, कला एवं शिल्प, सजावटी वस्तुएं, पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी सामग्री को आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर प्राचार्या श्रीमती सीमा शुक्ला ने कहा कि— 'क्राफ्ट एवं सृजनात्मक गतिविधियाँ शिक्षण-प्रशिक्षण को प्रभावी, आनंदमय एवं व्यवहारिक बनाती हैं। ऐसी प्रदर्शनी शिक्षकों , छात्रों और प्रशिक्षुओं में सृजनात्मकता, नवाचार एवं सीखने की उत्सुकता को बढ़ावा देती है।'

उन्होंने शिक्षकों द्वारा प्रदर्शित किए गए क्राफ्ट एवं शिल्प कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में इस प्रकार की और भी रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित करने पर बल दिया और इन्हें स्कूलों में बच्चों के उपयोग हेतु मार्गदर्शन किया। प्रदर्शनी का मूल्यांकन निर्णायक समिति की डॉ नीरज और अनिल कुमार प्रवक्ता के द्वारा निर्णय किया गया। प्राथमिक स्तर पर प्रथम स्थान श्रुति श्रीवास्तव , प्राथमिक विद्यालय जंगल 10,फूलबेहड़ को तथा द्वितीय स्थान प्राथमिक विद्यालय शोभना गुप्ता लखपेड़ागंज, नकहा और तृतीय स्थान जूही वर्मा, सं०विद्यालय मुस्तफाबाद को प्राप्त हुआ। उच्च प्राथमिक स्तर पर प्रथम स्थान सोनिया दुबे ,उच्च प्राथमिक विद्यालय(संड्डा) गडरुवा, द्वितीय स्थान राधा गुप्ता, उच्च प्राथमिक विधायक बन्नी फूलबेहड़, सुनीता श्रीवास्तव कन्या विद्यालय ओयल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रदर्शनी में बेसिक शिक्षा के शिक्षकों, संस्थान के प्रवक्ताओं और प्रशिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

कार्यक्रम का सफल संचालन डायट प्रवक्ता और नोडल महेंद्र वर्मा द्वारा किया गया।उनके द्वारा सभी को सक्रिय सहभागिता हेतु सराहना की एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिल्ली एयरपोर्ट: एक ग्लिच और ठप हुआ दिल्ली का एयर ट्रैफिक सिस्टम, आईटी मंत्रालय ने साइबर अटैक पर क्या कहा?

(एजेंसी)।

के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (क्क्क्क्अ) - पर शुक्रवार, 7 नवंबर को एयर ट्रैफिक कंट्रोल (अळउ) सिस्टम में आई तकनीकी खराबी से 400 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुईं। हवाई अड्डे के संचालन पर इसका सीधा असर पड़ा और यात्रियों को घंटों तक इंतजार करना पड़ा।

हालांकि इस बीच सूचना प्रौद्योगिकी (IT) मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह कोई साइबर अटैक नहीं, बल्कि सिस्टम अपग्रेड के दौरान आई तकनीकी गड़बड़ी थी। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (DIAL) ने कहा कि "फ्लाइट ऑपरेशंस एक तकनीकी दिक्कत के कारण बाधित हुए हैं।"

एयरपोर्ट एडवाइजरी में क्या कहा गया?

एयरपोर्ट के ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (AMSS) - जो एयर ट्रैफिक कंट्रोल के फ्लाइट प्लानिंग प्रोसेस को सपोर्ट करता है - में खराबी आने के कारण उड़ानें विलंबित हुईं। एयरपोर्ट की नई एडवाइजरी में कहा गया, "दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन एक तकनीकी समस्या के कारण बाधित है। संबंधित अधिकारी जल्द से जल्द समस्या को दूर करने पर काम कर रहे हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी एयरलाइन से फ्लाइट के संशोधित शेड्यूल की जानकारी लें।"

IT मंत्रालय ने क्या अपडेट दिया?

क्ळ मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, एयर ट्रैफिक कंट्रोल सॉफ्टवेयर को अपग्रेड करते समय तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। फ्लाइट प्लान का ऑटोमैटिक अपडेट रुक गया था। यह किसी साइबर अटैक का मामला नहीं है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह मंत्रालय की टीम ने तत्काल जांच की और साइबर अटैक की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि यह घटना किसी साइबर गतिविधि से संबंधित नहीं थी।

देश का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट हुआ प्रभावित

दिल्ली का IGI एयरपोर्ट देश का सबसे बड़ा और व्यस्त हवाई अड्डा है, जहां हर दिन 1,500 से अधिक उड़ानें संचालित होती हैं। आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को 513 उड़ानें और शुक्रवार सुबह तक 171 उड़ानें देरी से चलीं। कई प्रमुख एयरलाइंस इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट - की उड़ानें प्रभावित हुईं, जिससे यात्रियों को लंबे इंतजार, चेक-इन में देरी और कतारों का सामना करना पड़ा।

तकनीकी खराबी की असली वजह

एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) ने कहा कि अटरर सिस्टम, जो एयर ट्रैफिक कंट्रोल डेटा को सपोर्ट करता है, उसमें तकनीकी समस्या आई है। इस वजह से उड़ान योजनाओं का आदान-प्रदान प्रभावित हुआ और एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को मैनुअली फ्लाइट प्लान तैयार करना पड़ा। यह प्रक्रिया स्वचालित प्रणाली की तुलना में अधिक समय लेने वाली होती है, जिससे उड़ान संचालन में देरी बढ़ गई। अअक की तकनीकी टीमों को सिस्टम को बहाल करने में लगातार काम करते हुए देखा गया।

एयरपोर्ट वेबसाइट के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक उड़ानों में औसतन 50-55 मिनट की देरी हो रही थी। दिन बढ़ने के साथ वेटिंग टाइम लगातार बढ़ता गया। कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें रद्द या रीशेड्यूल भी करनी पड़ीं।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल की भूमिका क्या है?

एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) एक ऐसी जमीनी सेवा है जो आसमान और रनवे पर विमानों की आवाजाही को मॉनिटर करती है। अळउ सिस्टम में किसी भी तरह की तकनीकी गड़बड़ी से उड़ानों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना मुश्किल हो जाता है, इसलिए उड़ानों को विलंबित करना आवश्यक होता है। अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी टीम लगातार सिस्टम को बहाल करने में लगी है और उम्मीद है कि शाम तक सामान्य संचालन बहाल हो जाएगा। क्ळ मंत्रालय ने दोहराया कि यह पूरी तरह तकनीकी अपग्रेडेशन की दिक्कत है और साइबर सुरक्षा को लेकर कोई खतरा नहीं है।

खबर का हुआ असर: एलडीए ने सील किया अवैध कमर्शियल निर्माण

(एजेंसी)।

लखनऊ। वी आर द फ्यूचर समाचार पत्र में छपी खबर का असर देखने को मिला है दरअसल अखबार में पूर्व में प्रसारित खबर — 'बिना अनुमति तोड़ी गई पुरानी बिल्डिंग, एलडीए की मिलीभगत से चल रहा अवैध कमर्शियल निर्माण' — का बड़ा असर देखने को मिला है। खबर के प्रसारित के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। नगर निगम के सूत्रों के अनुसार, बिना अनुमति पुरानी इमारत को ध्वस्त कर लगभग 10 फीट गहरा बेसमेंट खोदकर अवैध कमर्शियल निर्माण किया जा रहा था। इस निर्माण की जानकारी न तो खनन विभाग को थी और न ही एलडीए के पास कोई स्वीकृति पत्र मौजूद था खबर प्रकाशित होने के बाद एलडीए की जोन-6 की जोनल अधिकारी वंदना पांडेय के निर्देश पर जेई सुनील कुमार की टीम मौके पर पहुँची और हुसैनगंज थाना क्षेत्र स्थित मोहन होटल के समीप बास मंडी जाने वाली रोड पर चल रहे निर्माण कार्य को सील कर दिया। वंदना पांडेय ने बताया कि यह निर्माण कार्य अग्रवाल ट्रेडर्स द्वारा विकास प्राधिकरण के मानकों के विपरीत किया जा रहा था और इसकी कंपाउंडिंग भी जमा नहीं की गई थी यह कार्रवाई न केवल लखनऊ विकास प्राधिकरण की तत्परता, बल्कि

बड़ागांव स्थित मदरसा इस्लामिया दारुल फलह के जानिब जलसे का आयोजन

(एजेंसी)।

मसौली बाराबंकी। कस्बा बड़ागांव स्थित मदरसा इस्लामिया दारुल फलह के जानिब से ओर इमाम ए खतिब मस्जिद ए मुहम्मदी हाफिज आसिफ अली की सरपरस्ती में एक जलसे का आयोजन किया गया कार्यक्रम मे भारी संख्या मे लोगो ने शिरकत की।

जलसे का आगाज हाफिज कारी अब्दुल काफी जैदपुरी के तिलावते कुरआन शरीफ से हुआ और मदरसे का सालाना लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। जलसे को खिताब करते हुए कस्बा कुर्सी से आये मौलाना कारी कमाल अहमद ने कलमा तैय्यबा की हकीकत बयान करते हुए कहा कि अल्लाह के सिवा रेजा भर कोई माबूद नही है। पूरे जहान व कुल मखलूकात का पालनहार सिर्फ एक अल्लाह है। उन्होंने कहा कि सच्चा मोमिन वही है जो अल्लाह और उसके पैगंबर मुहम्मद स्वल्लाह वालेवसल्लम में यकीन रखता हो जिसक ईमान उसके दिल में मजबूत है मोमिन वह है जो अल्लाह में ईमान रखता है और यह विश्वास उसके दिल में बसा होता है तथा दूसरों के लिए शांति लाता है और जिसका दिल अल्लाह की सच्चाई में सुरक्षित है।

और जो शांति और सुरक्षा की भावना लाता है। मोमिन के हुकूक (अधिकार) में अल्लाह की राह में जिहाद और अपनी संपत्ति व जान कुर्बान करने का वादा करना शामिल है। मोमिन को ईमान की राह पर चलना, ज्ञान प्राप्त करना, उस ज्ञान पर अमल करना और धैर्य रखना होता है।

तंजीम मोहम्मदी फलाह दारैंन बड़ागांव के खजांची इमाम ए खतिब मस्जिद ए मुहम्मदी हाफिज मोहम्मद आसिफ ने बयान में मोहब्बते रसूल का जिक्र करते हुए कहा कि सच्चा मोमिन वह है जो अपने बाप,दादा,भाई,बीबी, मकान, तिजारत इन तमाम चीजो से ज्यादा मोहब्बत रसूल से करे। जलसे में बच्चों द्वारा नाते पाक पेश की गई और बच्चो को इनआम वितरित किये गये। इस मौके हाजी मुकीम भगौली, हाफिज मोहम्मददीन छूल्हा, अब्दुल मालिक जैदपुरी, अमीर जामियते अहले हदीश बड़ागांव हाफिज साकिर अली, मदरसा सदर अनस कुरैशी, हाफिज जमील, मोहम्मद आसिफ खां, शहीर खां, मो0 आरिफ खान, प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, मो0 फुरकान, मो0 उस्मान, मो0 नसीर खान, सुहेल खान, मो0 जसीम सहित जलसे भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

योगी ने कांग्रेस व राजद को धोया, बोले- अराजकता पैदा करना इनका जन्मसिद्ध अधिकार

(एजेंसी)।

लखनऊ। सीएम योगी ने पहली रैली में रक्सौल से भाजपा प्रत्याशी प्रमोद कुमार सिन्हा और नरकटिया से जदयू प्रत्याशी विशाल कुमार को जिताने की अपील की योगी ने दूसरी रैली में लौरिया के विधायक, भाजपा प्रत्याशी व भोजपुरी कलाकार विनय बिहारी को फिर से विधानसभा में भेजने का किया आग्रह सीएम योगी ने ढाका विधानसभा से एनडीए प्रत्याशी पवन कुमार जायसवाल के समर्थन में मांगा वोट लालटेन की केरोसिन बेचकर बिहार में अंधेरा करने वाले अब राशन हजम करने की तैयारी में हैं:- सीएम योगी ने विपक्षी दलों को घेरा, बोले-नौकरी के बहाने नौजवानों की जमीन हड़प लेते थे, महागठबंधन फिर नौकरी के नाम पर धोखा देने निकला है योगी ने दिखाया आईना- महागठबंधन में हिम्मत नहीं कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई कर सकें, यूपी में माफिया की छाती पर चलता है बुलडोजर तो उनके आका भी थर-थर कांपते हैं। भोजपुरिया लोगों ने बंजड़ दीपों को भी उपजाऊ बनाने का कार्य किया।

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह पर रैतिक परेड का आयोजन, सीएम धामी ने की ये 11 घोषणाएं

(एजेंसी)।

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह के अवसर पर देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल गुरमीत सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित रैतिक परेड का निरीक्षण कर सलामी ली।

राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम गीत से हुई।कार्यक्रम में पुलिस विभाग द्वारा विशिष्ट साहसिक प्रदर्शन किया गया, इसमें विशेष रूप से मोटरसाइकिल दल द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उपस्थित दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

राज्यपाल ने उकृष्ट सेवाओं के लिए 'राष्ट्रपति पुलिस पदक' एवं 'पुलिस पदक' प्राप्त पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। रजत जयंती समारोह के अव सर पर इस वर्ष का उत्तराखण्ड गौरव सम्मान निशानेबाज पद्श्री जसपाल राणा, उद्यमी एवं समाजसेवी देव रतूड़ी, अभिनेता एवं लेखक स्व. टॉम ऑल्टर, उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी स्व. सुशीला बलूनी, चिपको आंदोलन की जननी स्व. गौरा देवी, भूवैज्ञानिक स्व. खड़ग सिंह वल्दिया, वीरांगना स्व. तीलू रौतेली एवं लेखक स्व. शैलेश मटियानी को दिया गया।

राज्यपाल ने कहा कि जैसे स्वदेशी के मंत्र से देश की आजादी को बल मिला, वैसे ही स्वदेशी के मंत्र से देश की समृद्धि भी सुदृढ़ होगी। उन्होंने आ'ान किया कि हम वही वस्तुएँ खदीदें जो मेड इन इंडिया हों, जिनमें हमारे युवाओं का श्रम और परिश्रम निहित हो, यही आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा मंत्र है।

राज्यपाल ने राज्य के युवाओं से आ'ान किया कि वे तकनीक, नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में अग्रणी बनें तथा देश-प्रदेश के विकास में योगदान दें। यही वह मार्ग है जो विकसित उत्तराखण्ड, विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में उत्तराखण्ड देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनेगा- जहाँ विकास और प्रकृति, विज्ञान और संस्कृति, आधुनिकता और परंपरा, तकनीक और मानवता साथ-साथ आगे बढ़ेंगी।

मुख्यमंत्री धामी ने की महत्वपूर्ण घोषणाएं-

प्रदेश की सम्पूर्ण कृषि भूमि का आगामी 05 वर्षों में फेजवाईज सर्वेक्षण कर बन्दोबस्त करवाया जायेगा।

प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए स्टेट साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी।

ड्रग्स फ्री देवभूमि के लिए प्रदेश में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का विस्तार किया जाएगा।

राजकीय विद्यालयों में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत मानदेय पर रखी गई भोजन माताओं के लिए कल्याण कोष की स्थापना की जाएगी।

राज्य में जंगली जानवरों एवं आवास पशुओं से कृषि एवं औद्यानिकी फसलों की सुरक्षा हेतु फार्म फेंसिंग पॉलिसी लाई जाएगी।

पारंपरिक धारे, नौले आदि प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन एवं सौंदर्यीकरण के लिए विशेष संवर्धन योजना प्रारंभ की जाएगी।

उच्च शिक्षा शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं में कौशल विकास के लिए ऑनलाइन स्किल कोर्सेज उपलब्ध कराए जाएंगे तथा सिविल सर्विसेज, बैंकिंग, मैनेजमेंट, नेट आदि परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन कोचिंग सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

मानसखण्ड माला मिशन की तर्ज पर ही केदारखण्ड माला मिशन का विकास किया जाएगा।

आदर्श चम्पावत की भांति आदर्श रुद्रप्रयाग जनपद का विकास किया जाएगा।

कुमाऊँ के शारदा कॉरीडोर एवं आदि कैलाश तथा गढ़वाल के अंजनीसैण एवं बेलाकेदार क्षेत्र को स्प्रिचुअल इकोनॉमिक जोन के रूप में विकसित किया जाएगा।

प्रत्येक जिला अस्पताल में टाइप-1 डायबिटीज के लिए विशेष क्लीनिक खोले जाएंगे और 15 वर्ष तक के बच्चों की डायबिटीज स्क्रीनिंग मुफ्त की जाएगी।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पर सीएम योगी का संबोधन

(एजेंसी)।

लखनऊ। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्ह्ल के 150 वर्ष पूरे होने पर भव्य स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ बोले 'वंदे मातरम आजादी का अमर मंत्र और क्रांतिकारियों की ताकत थी।'

मुख्यमंत्री ने कहा- 'अंग्रेज वंदे मातरम मंत्र से डर गए थे, उन्होंने नागरिकों को प्रताड़ित किया।' सीएम ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए कहा, 'वंदे मातरम हमारी शान और देश की पहचान है।' कार्यक्रम में देशभक्ति के स्वर गूंजे, लोगों ने एक सुर में कहा- 'वंदे मातरम!'

लखनऊ में सवारी बसों के नाम पर चल रहा है अवैध पार्सल कारोबार, जीएसटी चोरी से सरकार के खजाने में लग रही सेंध!

(एजेंसी)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में खुलेआम सवारी बसों के जरिए अवैध पार्सल कारोबार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क जीएसटी चोरी में शामिल है और रोजाना लाखों रुपये का सामान बिना टैक्स के भेजा जा रहा है। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ आरटीओ कार्यालय के ठीक नाक के नीचे हो रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। बस चालकों और संचालकों से बातचीत में यह बात सामने आई कि 'ऊपर तक सेटिंग है, यहां तक कि मामला मंत्री तक जाता है।' यही नहीं, कई बसें ओवरलोड माल लेकर निकलती हैं, जिससे अब तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और कई यात्रियों की जानें जा चुकी हैं। इसके बावजूद प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारी अब तक चुप्पी साधे बैठे हैं। क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? या फिर सत्ता संरक्षण में यह गोरखधंधा यूं ही फलता-फूलता रहेगा।

आजमगढ़ में 50 हजार के इनामी गो-तस्कर वाकिब उर्फ वाकिफ को एनकाउंटर में मार गिराया

(एजेंसी)।

लखनऊ। शुक्रवार तड़के लूट के सुराग जुटाने के लिए पुलिस टीम गश्त कर रही थी। तभी एसटीएफ को सूचना मिली कि वाकिफ और उसके तीन साथी थाना रौनापार क्षेत्र की ओर भाग रहे हैं। इस पर टीम ने उनकी घेराबंदी की। जैसे ही बदमाशों को घेरा, उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में वाकिफ को गोली लग गई। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस उसे सीएचसी हरैया लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, वाकिफ के 3 साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। रळऋटीम का नेतृत्व डिप्टी एसपी डीके शाही कर रहे थे। शाही वही अफसर हैं, जिन्होंने सुल्तानपुर डकैती कांड में वांटेड मंगेश यादव का एनकाउंटर किया था। वाकिफ पर गो-तस्करी, चोरी, हत्या और लूट जैसे गंभीर अपराधों के 48 से अधिक मुकदमे आजमगढ़, गोरखपुर और जौनपुर सहित कई जिलों में दर्ज थे। वह अपने गिरोह के साथ मिलकर पशुओं की चोरी और गोवंश की अवैध तस्करी करता था।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत: भाई ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाया

(एजेंसी)।

पीलीभीत में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका के भाई ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला दियोरिया कला के नौगवां नवीनगर गांव का है।

बरखेड़ा थाना क्षेत्र के डड़िया भगत गांव निवासी मुकेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपनी बहन संगीता देवी की शादी वर्ष 2022 में नौगवां नवीनगर निवासी रामसिंह पुत्र तेजराम से की थी।

मुकेश का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहा था। मांग पूरी न होने पर संगीता देवी को लगातार मारपीट कर प्रताड़ित किया जा रहा था। इस संबंध में मायके वालों ने ससुराल पक्ष को समझाने का प्रयास भी किया था, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

मुकेश ने आरोप लगाया है कि 5 नवंबर को देर शाम संगीता के पति रामसिंह, ससुर तेजराम, सास दुलारो देवी, देवर रामवीर और ननद रेखा ने मिलकर उनकी बहन को पीट-पीट कर मार डाला। घटना की सूचना मिलने पर जब भाई संतोष मौके पर पहुंचे, तो संगीता देवी मृत अवस्था में मिलीं। पीड़ित भाई ने इन पांचों लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

प्रभारी निरीक्षक दिगंबर सिंह ने बताया कि नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मृतका के भाई ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पांच लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।